>

Title: Regarding incidents of misbehaviour and killing of students of North-Eastern region in Delhi.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्षा जी, मैं बहुत ही वेदना के साथ एक विषय इस सदन में उठाना चाहती हूं। मैं चाहती यह थी कि इस समय सदन में पूर्ण शान्ति होती क्योंकि नार्थ ईस्ट के लोगों को हमेशा से इस बात का दुख रहता है कि उनके साथ घटी हुई घटनाएं या उनके यहां घटी हुई घटनाएं दूरी के कारण देश की मुख्य धारा में छप नहीं पातीं, सुनी नहीं जातीं। आज मैं पूर्वोत्तर के उस छात्र की हत्या का मामला यहां उठाना चाहती हूं जो अभी कुछ दिन पहले हमें बहुत शर्मसार करके गया है। मुझे बहुत दुख के साथ कहना पड़ता है कि पूर्वोत्तर के छात्र-छात्राओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। आपको याद होगा कि कोकराझार की हिंसा के बाद तो पूर्वोत्तर के छात्र-छात्राओं के साथ इतनी हिंसक घटनाएं घटी थीं कि पूरे देशभर से उन्होंने पलायन करना प्रारंभ कर दिया था। लेकिन उस समय भी संसद ने उस बात का संज्ञान लिया था और यहीं से एकमत, एक स्वर से हमने उनसे अपील की थी कि यह भारत आपका है, यह देश आपका है, हम आपको सुरक्षा का आश्वासन देते हैं, आप लौट आइए। उस अपील का असर भी हुआ था और वे बच्चे लौट आए थे। लेकिन अभी-अभी जो यह घटना घटी है, अरुणाचल प्रदेश के एक बच्चे नीडो तानिया का किसी को हेयर स्टाइल पसंद नहीं आया, इसलिए ताने दे-देकर उसे मार डाला। उसके बाद मणिपुर की दो छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया।

अध्यक्षा जी, मैं कहना चाहती हूं कि ऐसा करने वाले यह भूल जाते हैं कि वह बच्चा उस अरुणाचल प्रदेश से आया था जिसका एक-एक नागरिक चीन के विरुद्ध भारत का प्रहरी बना हुआ है। अरुणाचल प्रदेश की इतनी बड़ी सीमा चीन के साथ लगती है। चीन उन्हें लोक-लुभावन वादे करके अपनी तरफ खींचता है। लेकिन ये अरुणाचल के हमारे नागरिक भारत माता की जय का नारा लगाते हुए उसे खदेड़ भगाते हैं। मैं पूछना चाहती हूं, ये बच्चे वहां से यहां क्यों आते हैं - क्योंकि वहां अच्छे शिक्षा संस्थान नहीं हैं, अस्पताल नहीं हैं, शिक्षा की सुविधाएं नहीं हैं। इसलिए वे अपना घर-बार छोड़कर दिल्ली में आते हैं।

...(व्यवधान) जब वे यहाँ आते हैं, तो अपना यौवन साथ लाते हैं, ...(व्यवधान) अपनी तहज़ीब साथ लाते हैं, अपनी संस्कृति साथ लाते हैं, अपना संगीत साथ लाते हैं। ...(व्यवधान) भारत की जिस विविधता पर हम गर्व करते हैं, दिल्ली वालों को इस विविधता को समझना होगा। ...(व्यवधान) उन्हें यह समझना होगा कि अगर तीखी नाक वाला हिन्दुस्तानी है, तो चपटी नाक वाला भी हिन्दुस्तानी है। ...(व्यवधान) यदि गंगा-यमुना के तट पर बसने वाला हिन्दुस्तान है, तो ब्रह्मपुत्र के तट पर बसने वाला भी हिन्दुस्तान है। ...(व्यवधान) यह पूरा हिन्दुस्तान एक है। ...(व्यवधान) इसलिए मैं सरकार के नाते भी और पार्टियों के नाते भी कहना चाहती हूँ, यह हमारा फ़र्ज बनता है कि हम एक-एक बच्चे की यहाँ सुरक्षा करें। ...(व्यवधान) लेकिन मैं हैरान हूँ, दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री भी जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे हैं और कांग्रेस के उपाध्यक्ष भी धरने पर बैठे हैं। ...(व्यवधान) दो सरकारें, यानी दिल्ली सरकार चलाने वाला भी धरने पर और केन्द्र की सरकार का नेतृत्व करने वाला भी धरने पर। ...(व्यवधान) आज तो मैं आश्चर्यचकित रह गयी, जब मुझे पता चला कि सरकार के राज्य मंत्री ने प्रश्नकाल स्थगन का नोटिस दे दिया। यह इस सरकार में अजूबी घटनाएँ हैं। ...(व्यवधान) कभी इसी सरकार के सांसद अपनी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस देते हैं और कभी इनके राज्य मंत्री प्रश्नकाल स्थगन का नोटिस देते हैं। ...(व्यवधान) इस समय जो दृश्य आपके सामने है, उधर भी कांग्रेस के सांसद हैं, इधर भी कांग्रेस के सांसद हैं और वे कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं। ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूँ, मैं सरकार से गुहार करती हूँ, इन बच्चों के लिए दिल्ली में अनेकानेक छात्रावास बनाये जाएँ ताकि ये बच्चे जो गलियों में रहने के लिए मज़बूर हैं, वे अपने छात्रावासों में रहें। ...(व्यवधान) वे छात्रावास ऐसे हों, जहाँ नार्थ-ईस्ट के साथ हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार के बच्चे भी रहें। ताकि मन की दूरियाँ खत्म हों, हम एक-दूसरे को समझ सकें। ...(व्यवधान) दूसरी बात, इन बच्चों को सुरक्षा दिलवायी जाए। ...(व्यवधान) सर्वदलीय बैठक में भाई शरद यादव जी ने कहा था कि हम लोगों की भी कोई जिम्मेदारी बनती है। ...(व्यवधान) मैं उन्हें बताना चाहती हूँ कि जिस दिन यह घटना घटी थी, उसी दिन मैंने ट्वीटर पर लिखा था कि भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता अपने अगल-बगल रहने वाले नार्थ-ईस्ट के बच्चों को सुरक्षा प्रदान करे। ...(व्यवधान) मैं आज यहाँ विश्वास दिलाती हूँ कि मेरी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता उनको सुरक्षा प्रदान करेगा। ...(व्यवधान) लेकिन संसद से दिया हुआ आश्वासन बड़ा होता है। ...(व्यवधान) आप पीठ से भी उनको आश्वस्त कीजिए। ...(व्यवधान) उन बच्चों को सरकार सुरक्षा दे। ...(व्यवधान) सारे सांसद, अपनी-अपनी पार्टी के लोग उनको सुरक्षा दें ताकि वे बच्चे बहुत ही सुरक्षित रूप से यहाँ रह सकें। वे हिन्दुस्तान के बच्चे हैं। ...(व्यवधान) जो पूर्वोत्तर में सेवन-सिस्टर्स कहलाता है, उसमें अब सिक्किम भी मिल गया है। ये आठ बहनें, आपस में आठ बहनें नहीं हैं, ये हमारी आठ बहनें हैं। इन आठों बहनों को सुरक्षा देना हमारी जिम्मेदारी है। ...(व्यवधान) यह स्वर आज संसद से जाना चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

डॉ. संजय जायसवाल,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री सी.आर. पाटिल,

श्री राम सिंह कस्वां,

श्री शिवकुमार उदासी,

श्री गणेश सिंह,

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी,

श्री जीतेन्द्र सिंह बुन्देला,

श्री वीरेन्द्र कश्यप,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्रीमती दर्शना जरदोश,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल,

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहान,

श्री दुष्यंत सिंह,

श्री बालकृष्ण खांडेराव शुक्ल,

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्री अशोक अर्गल,

श्री प्रेम दास राय,

श्री अनुराग सिंह ठाकुर तथा

श्री एम.बी. राजेश स्वयं को श्रीमती सुषमा स्वराज द्वारा उठाये गये मुद्दे से संबद्ध करते हैं।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री निनोंग ईरींग): ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे पूर्वोत्तर राज्य के एक छात्र नीडो तानिया की पिटाई होने से मौत होने पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको तहेदिल से धन्यवाद देता हूँ। ...(व्यवधान) इस घटना से सारे देश में पूर्वोत्तर राज्यों के छात्र-छात्राएँ धरना और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ...(व्यवधान) मैं विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा जी का आभारी हूँ कि उन्होंने भी इस मुद्दे को उठाया। ...(व्यवधान) मेरी एक गुज़ारिश है कि इस घटना को राजनीतिक तौर पर न लेकर, इस समस्या को किस प्रकार हल किया जाए, इस पर विचार किया जाए। ...(व्यवधान) हमारे लिए यह एक चुनौती है। ...(व्यवधान) मैं जानता हूँ, जब पिछली बार भी एक्सोडस हुआ था, तो आपने इस बात को उठाया था और हमने भी साथ दिया था। ...(व्यवधान)

उसी के कारण पूर्वोत्तर राज्य के बच्चों को भी एक आश्वासन मिला कि यहाँ हम भी उनके साथ हैं। ...(व्यवधान) लेकिन आज मैंने प्रश्नकाल स्थगित करने का प्रस्ताव इसलिए दिया था ताकि लोगों को जानकारी हो कि ...(व्यवधान) It is against the principles; it is against the precedents. ये जो बच्चे हैं, वे हमारे क्षेत्र से आए हैं, हमारे अरूणांचल से आए हैं, लोगों को पता होना चाहिए, लेकिन आदरणीय अध्यक्ष महोदया ने आश्वासन दिया कि वे मुझे बोलने देंगी, इसलिए मैंने उसको विदड्रॉ किया। उस खेद के लिए मैं क्षमा चाहता हूं। मैं आप सबको यह कहूंगा कि सिर्फ नीडो तानियाम या रिचर्ड लोहितम या दाना संगमा ही नहीं, ऐसे बहुत से उदाहरण हैं, जिनको अगर हम यहां कह डालें, तो लोग आश्चर्यचकित हो जाएंगे, क्योंकि जिस प्रकार से हमारे साथ, उत्तर-पूर्व के बच्चों के साथ जो व्यवहार हो रहा है, वह बहुत घिनौना है और हम उसका खण्डन करते हैं। हमारे देश को आजादी हुए 66 साल हो गए हैं, हम विश्व के सबसे बड़े प्रजातंत्र हैं, उसके बावजूद जो भेदभाव, जाति-पांत और पूर्वोत्तर के बच्चों के साथ रेशियल डिसक्रिमिनेशन हो रहा है, यह सोचने योग्य, गंभीर बात है। इसलिए मैं सदन से दरख्वास्त करता हूं कि हम एक सशक्त और सख्त कानून पारित करें ताकि ऐसी घटना भविष्य में न हो। मैं आप सभी के सामने एक प्रस्ताव रखना चाहता हूं कि देश में सीबीएसई, एनसीईआरटी की जितनी किताबें हैं, उनमें पूर्वोत्तर राज्यों का इतिहास विषय में शामिल हो, अन्य राज्यों के लोगों को पूर्वोत्तर राज्यों के विषय में जानकारी और जागरूकता हो। अंत में, पूर्वोत्तर के लोगों की जितनी ऐसी शिकायतें हैं, उनको गंभीरता से लिया जाए और उन पर शीघ्र ही निर्णय लिया जाए।

अध्यक्ष महोदया, मैं दिल से आपको धन्यवाद देता हूं और शायद पूर्वोत्तर के लोग भी धन्यवाद देने में मेरे साथ शामिल होंगे।

मैडम, एक गीत है, जिसमें कहा गया है :

"हम सब भारतीय हैं, अपनी मंजिल एक है,

कश्मीर की धरती रानी है, सरताज हिमालय है,

सदियों से हमने इसको अपने खून से पाला है,

बिखरे तारे हैं हम, लेकिन झिलमिल एक है।"

हमें अपनी सोच को बदलना है, चाहे वह उत्तर को हो, दक्षिण का हो, पूर्व या पश्चिम का हो, हमें गर्व है कि हम सब हिन्दुस्तानी हैं। ...(व्यवधान)

SHRI PREM DAS RAI (SIKKIM): Madam, I would like to associate with the views of Shri Ninong Ering, expressed on the death of Shri Nido Taniam of Arunachal Pradesh.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष जी, नॉर्थ-ईस्ट के बच्चे का जो कत्ल हुआ है, मैं चाहता हूं कि पूरा सदन उसका कंडेमनेशन करे। देश की एकता के लिए यह घटना, नॉर्थ-ईस्ट के लोगों के साथ जो व्यवहार हो रहा है, उसकी पूरी सदन द्वारा निन्दा की जानी चाहिए और सारे देश से अपील करनी चाहिए कि किसी तरह से रंग-रूप या किसी इलाके के आदमी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि यह जो सदन बंद हो रहा है, इसके बारे में मेरी आपसे विनती है कि इस सदन के बंद होने से हम सभी लोगों ने यह बात कही थी, सुषमा जी ने, मैंने और सारे सदन ने कहा था कि इसका समाधान करिए। हम लोग 11 बजे आएंगे और पांच बजे जाएंगे और पहला प्रस्ताव होना चाहिए कि नॉर्थ-ईस्ट के बच्चे और नॉर्थ-ईस्ट के महिलाओं के साथ जो व्यवहार हुआ है, उसके बारे में सदन में कंडेमनेशन होना चाहिए। यह देश की एकता और अखण्डता का सवाल है। मैं आपसे विनती करना चाहता हूं और यह प्रस्ताव करता हूं कि पूरे सदन के नाम पर इस घटना की निन्दा होनी चाहिए। सरकार कोई हो, उसे पूरी तरह सचेत होना चाहिए, यह घटना कैसे हुई, कैसे उस बच्चे का कत्ल हुआ, पुलिस आज तक दोषी लोगों को पकड़ नहीं पाई। मेरी विनती है कि सारे सदन की तरफ से एक स्वर से इसकी घोर निन्दा, भर्त्सना होनी चाहिए। इन्हीं बातों के साथ मैं कहना चाहूंगा कि यह जो तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की घटना है, इसका भी समाधान कीजिए। ...(व्यवधान) यह तीसरा सदन है जो चल नहीं पा रहा है। देश में बहुत वेदना और तकलीफ है और जब सदन नहीं चलता है तो देश नहीं चलता है। हमें बहुत सारी चीजों पर बोलना था यही हमारी आपसे विनती है।

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा): मैडम, 19 साल के अरुणाचल प्रदेश के छात्र के साथ जो घटना हाल ही में घटी है, उसके साथ मैं कहना चाहता हूं कि पिछले कई साल से उत्तर पूर्वी क्षेत्र के जो छात्र और छात्राएं यहां पर काम कर रहे हैं उनके साथ भेद-भाव का व्यवहार हो रहा है। दिल्ली में दो लाख से ज्यादा आबादी उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लोगों की है। हमने वर्ष 2009 में देखा कि किस तरह से नगालैंड की एक 7 साल की बच्ची के साथ गैंग-रेप हुआ। उसके बाद इसी दिल्ली शहर में वहां की एक 30 साल की महिला के साथ बलात्कार हुआ। हमने पिछले साल देखा कि जब कोकराझार में घटना घटी थी उस समय किस तरह का व्यवहार किया गया। ...(*Interruptions*) This is nothing but racial discrimination. This racial discrimination is continuing for years together in spite of the assurance given by the Government on the floor of the House that there would not be any racial discrimination. ...(*Interruptions*) Every citizen of our country has the Fundamental Right to go to any part of the country, to reside in any part of the country and to work in any part of the country, but that right is being attacked, that right is being withdrawn. The situation is very serious. ...(*Interruptions*)

The Government must make a statement on the floor of the House about the discrimination which is being meted out to the people of the North-East -Arunachal Pradesh, Mizoram and Nagaland. This discrimination should be ended and the people of the North-East should not feel that they are discriminated against. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER:

Shri Gurudas Dasgupta,

Dr. Thokchom Meinya and

Prof. Saugata Roy may kindly associate on this issue.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: I have to tell the House that what has happened to the children of the North-East, who had come to Delhi, is deplorable and it should be condemned by the entire House. It needs to be condemned by the entire House and a clear message should go to the country that the Parliament of India and the Members of Lok Sabha are one in protecting the children and the people of the North-East. We should send this message everywhere.

...(*Interruptions*)